RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : गुरुवार, 15 दिसंबर 2022 वर्ष 04 अंक 206 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी ®

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

अमित शाह महाराष्ट्र के जंवाई... कुछ टिप्पणी नहीं करूंगा,

BJP पर इतने नरम क्यों दिखने लगे संजय राउत?

मुंबईः महाराष्ट्र- कर्नाटक सीमा विवाद के मुद्दे पर आज दिल्ली में एक अहम बैठक होनी है। इस मीटिंग में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और कर्नाटक राज्य के सीएम बसवराज बोम्मई शामिल होंगे। इस बैठक को लेकर सांसद संजय राउत ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है उन्होंने कहा कि यह मामला फिलहाल कोर्ट में लंबित है। ऐसे में देश के गृहमंत्री अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हुए इस समस्या का हल निकाल सकते हैं।

ऐसे में इस बैठक पर मैं फिलहाल कोई बयान नहीं दूंगा। बुधवार को मीडिया से बातचीत के दौरान संजय राउत ने कहा कि सीमा विवाद के मुद्दे पर प्रधानमंत्री या गृहमंत्री को मध्यस्थता करनी पड़ेगी। दोनों ही राज्यों में बीजेपी की सरकार है। हालांकि, बोम्मई कहते हैं कि अमित शाह से मुलाकात करके कोई फायदा नहीं होगा लेकिन मैं कहता हूं कि शाह से मुलाकात करके जरूर फायदा होगा। संजय राऊत इसके पीछे के कारण भी बताए। उन्होंने कहा कि विवादित इलाके को केंद्र शासित करने का अधिकार केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के पास है। स्थानीय पुलिस को हटाकर विवादित इलाके में अमित शाह केंद्रीय बल को भेज सकते हैं।

मराठी भाषा और संस्कृति के बारे में भी आदेश देने का अधिकार केंद्रीय गृह मंत्रालय को है। हमेशा अगर सीमा विवाद के मुद्दे पर मध्यस्थता कर रहे हैं तो टिप्पणी करने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता। वैसे भी वह महाराष्ट्र के जंवाई हैं। उनकी पत्नी राज्य के कोल्हापुर जिले से ताल्लुक रखती हैं। सीमा विवाद का सबसे ज्यादा असर कोल्हापुर जिले को ही होता है सबसे ज्यादा संघर्ष वहीं होते हैं ऐसे में उन्हें इस विवाद और संघर्ष के बारे में पूरी जानकारी है।

...तो इस मुद्दे को सुलझाया जा सकता है

संजय राउत ने कहा कि कोर्ट में बहुत सारे मुद्दे लंबित हैं लेकिन केंद्र सरकार ऐसे मुद्दों लोकसभा या राज्यसभा में उठा सकती है। सरकार चाहे तो इस मुद्दे को सुलझाया भी जा सकता है। यह कोई आम मामला नहीं है, यह बीस से पच्चीस लाख मराठी भाषी लोगों के जीवन का प्रश्न है। कोर्ट में अगर अन्य हल मसलों का हल हो सकता है तो फिर सीमा विवाद का हल क्यों नहीं हो रहा। आखिर क्यों इस मुकदमे में एक के बाद एक तारीख है बढ़ती जा रही हैं? केंद्र सरकार अपने स्तर पर इस मुद्दे का हल आसानी से निकाल सकती है।

'नूपुर शर्मा की तरह राज्यपाल कोश्यारी और सुधांशु त्रिवेदी पर भी हो एक्शन'...

भाजपा सांसद की मांग

मुंबईः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य उदयनराजे भोसले ने मंगलवार को मांग की कि पार्टी महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी के खिलाफ वैसी ही कार्रवाई करे, जैसी उसने नूपुर शर्मा के मामले में की थी। छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज भोसले ने कोश्यारी और कुछ अन्य भाजपा नेताओं के उन हालिया बयानों के खिलाफ पुणे शहर में विपक्षी दलों (MVA) द्वारा आयोजित एक विरोध मार्च में भाग लिया, जिन्हें छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करने वाला माना गया है।

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी के उस बयान पर भी महाराष्ट्र में कड़ी प्रतिक्रिया देखने को मिली थी, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि शिवाजी महाराज ने मुगल शासक औरंगजेब से माफी मांगी थी। भोसले ने पुणे में संवाददाताओं से कहा कि नूपुर शर्मा के खिलाफ जिस तरह की अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई थी, अब कोश्यारी और त्रिवेदी के खिलाफ भी होनी चाहिए। महाराष्ट्र में ज्यादातर लोगों की यही भावना है।

क्या कहा था कोश्यारी ने जिसपर बवाल खड़ा हो गया था

कोश्यारी ने पिछले महीने एक सार्वजनिक समारोह में मराठा साम्राज्य के संस्थापक शिवाजी महाराज को पुराने समय का आदर्श करार देकर विवाद खड़ा कर दिया था। इसके बाद एमवीए गुट के नेता समेत भाजपा के अन्य नेताओं ने भी आपत्ति जताई थी।

मोबाइल चोरी के अंतराज्यीय गैंग का काशीमीरा पुलिस ने किया पदार्फाश, चार गिरफ्तार

भायंदर : बात और हाथ की सफाई से राहगीरों का मोबाइल चोरी करने वाले अंतराज्यीय गैंग के चार सदस्यों को काशीमीरा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 12 वारदातों का खुलासा हुआ है और उनके पास से 28 मोबाइल फोन और दो मोटरबाइक बरामद हुई है, जिसे दो दिन में लुटे थे। आरोपियों में सोनू नूर मोहम्मद मलिक,दानिश जाहिद मलिक, मोहम्मद साजिद अब्दुल कादिर राजपूत, मेरठ (उत्तर प्रदेश) और सागर विनोद शर्मा शाहदरा (नई दिल्ली) का रहने वाला हैं।

चारो मुंबई में कुर्ला इलाके को अपना ठिकाना बनाए हुए थे। पुलिस से बचने के लिए दिल्ली से मुंबई मोटरबाइक से आते-जाते थे। इनसे पूछताछ में काशीमीरा थाने की पांच, नवघर थाने की दो और नया नगर, भायंदर, खड़कपाडा, गोवंडी पुलिस थाना क्षेत्र की एक-एक वारदातों का खुलासा हुआ है ।पुलिस के मुताबिक आरोपी, राहगीरों को अपनी बातों में उलझाकर और मोबाइल जैसा दिखने वाले शीशे को उनके मोबाइल से बदलकर ठगी करते थे। उनकी जालसाजी और ठगी का शिकार मोहम्मद नूर मोहम्मद खान निवासी गोवंडी हुआ था। इस केस की जांच के दौरान आरोपियों को काशीमीरा थाना क्षेत्र में गश्त के दौरान पकड़ा गया। आरोपी दिल्ली भागने की तैयारी में थे।

नए साल के जश्न के लिए मुंबई में बड़ी ड्रग्स की आवक...

50 लाख की हेरोइन के साथ गिरफ्तार हुआ बाउंसर

मुंबईः कुछ दिनों बाद देश और दुनिया में नए साल का जश्न मनाया जाएगा। इसको लेकर ड्रग्स के काले कारोबारी भी अपनी-अपनी तैयारियों में जुटे हैं। मुंबई में भी ड्रग्स के शौकीनों के लिए इसकी आमद शुरू हो चुकी है। मुंबई शहर के पश्चिमी उपनगर के मालवणी इलाके में स्थानीय पुलिस ने एक 35 वर्षीय बाउंसर को 50 हजार की हेरोइन (ड्रग्स) के साथ गिरफ्तार किया है।पुलिस को इस बात का शक है कि यह ड्रग्स नए साल की पार्टी में इस्तेमाल किया जाने वाला था। जिस व्यक्ति को पुलिस ने ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है वह इसे राजस्थान से मुंबई लेकर आया था। गिरफ्तार आरोपी का नाम सोहेल अहमद शेख है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच पड़ताल शुरू कर दी हैं।

दरअसल पुलिस को यह जानकारी मिली थी कि रफीक मैदान के पास एक व्यक्ति नशीले पदार्थों की बिक्री के लिए आने वाला है। जिसके बाद पुलिस स्टेशन ने रफीक मैदान के पास एक टीम को तैनात किया। टीम ने जाल बिछाकर आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

चीन पर चर्चा...

तवांग में चीनी सेना के साथ झड़प के बाद जब देश-दुनिया की निगाहें भारत की ओर हैं, तब चीन से निपटने को लेकर संसद में हंगामा होना अच्छी बात नहीं। यह विचित्र है कि जब देश के राजनीतिक नेतृत्व को एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए दिखना चाहिए, तब वह बिखरा हुआ दिख रहा है। स्पष्ट है कि चीन और अन्य भारत विरोधी शक्तियां इसका लाभ उठाने की कोशिश कर सकती हैं। नि:संदेह तवांग में चीनी सैनिकों के साथ हुई मुठभेड़ को लेकर विपक्ष के कुछ सवाल हो सकते हैं और वह यह भी कह सकता है कि रक्षा मंत्री के वक्तव्य से उसकी जिज्ञासा का समाधान नहीं हुआ, लेकिन अपने सवालों का जवाब जानने के लिए संसद में सरकार को कठघरे में खड़ा करने की उसकी कोशिश से दुनिया और विशेष रूप से चीन को कोई सही संदेश नही जाएगा।

सत्तापक्ष के साथ विपक्ष को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि घरेलू राजनीति के चलते विश्व समुदाय को ऐसा कोई संदेश न जाए कि भारत चीन से निपटने को लेकर एकमत नहीं अथवा वह उसके खिलाफ डटकर नहीं खड़ा है। उचित यह होगा कि इस मामले में तू-तू मैं-मैं की राजनीति से बचा जाए। जहां विपक्ष को यह समझना होगा कि यह ऐसा विषय नहीं, जिसमें सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की जाए, वहीं सत्तापक्ष को भी यह देखना होगा कि वह विपक्षी दलों को कैसे संतुष्ट करे।

यदि रक्षा-सुरक्षा मामलों में गोपनीयता के चलते चीन को लेकर संसद में खुली चर्चा नहीं हो सकती तो फिर अलग से सर्वदलीय बैठक तो की ही जा सकती है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि गलवन में चीनी सेना से खूनी मुठभेड़ के बाद सर्वदलीय बैठक हुई थी। सर्वदलीय बैठक के जरिये देश की जनता को भी सही सूचना देने में मदद मिलेगी। यह समझा जाना चाहिए कि आज के इस युग में जब सूचनाओं का विशेष महत्व है, तब सरकार को हर स्तर पर सूचना युद्ध से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए।

यह ध्यान रहे कि चीन सूचना युद्ध में माहिर है। डोकलाम में गतिरोध और गलवन में मुठभेड़ के बाद उसने इस युद्ध का सहारा भी लिया था। वास्तव में जितना जरूरी सीमा पर चीनी सेना की हरकतों का मुंहतोड़ जवाब देना है, उतना ही उसे सूचना युद्ध में मात देना भी। यह तब संभव हो पाएगा, जब पक्ष-विपक्ष एकजुट दिखेंगे। इससे खराब बात और कोई नहीं हो सकती कि चीन से लगती सीमा की स्थिति जानने के नाम पर विपक्षी दल अपनी अलग खिचड़ी पकाते नजर आएं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने चीन के मसले पर सरकार को घेरने के लिए जिस तरह 17 राजनीतिक दलों की अलग से बैठक बुलाई, वह राष्ट्रीय हितों से अधिक दलगत हितों को महत्व देने वाली राजनीति है।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

अंतर-धार्मिक विवाह को लेकर सरकार हुई सख्त! लिया यह बड़ा फैसला...

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में अंतर-धार्मिक और अंतर-जातीय शादी को लेकर बड़ा फैसला लिया है. सरकार ने एक 13-सदस्यीय पैनल का गठन किया है. यह पैनल अंतर-धार्मिक शादी वाले कपल के परिवार के सदस्यों द्वारा दायर शिकायतों पर गौर करेगा. यह समिति केवल तभी सहायता करेगी जब उसे कोई शिकायत या सहायता के लिए अनुरोध प्राप्त होगा. पैनल का नेतृत्व महाराष्ट्र के महिला और बाल विकास मंत्री (डब्ल्यूसीडी) मंगल प्रभात लोढ़ा करेंगे.

इसके साथ ही सरकार माता-पिता और बच्चों दोनों को उनकी शिकायतों के साथ मदद करने के लिए एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी करेगी. इसे लेकर मंत्री ने कहा कि हम नहीं चाहते कि बच्चे अपने माता-पिता की इच्छा के विरुद्ध किसी से शादी करने के बाद अपने परिवार से कटे रहें. यह पैनल यह सुनिश्चित करने के लिए स्थापित किया गया है कि भविष्य में श्रद्धा वालकर जैसे मामले न हों.

गौरतलब है कि श्रद्धा वालकर हत्या मामले के बाद पैनल का गठन किया गया है. महाराष्ट्र की श्रद्धा की हत्या दिल्ली में उसके लिव-इन पार्टनर आफताब पूनावाला ने की थी. आफताब ने श्रद्धा की हत्या करने के बाद उसके शव को डंप करने के लिए 35 टुकड़ों में काट दिया था. उसने शव के टुकड़ों को लगभग तीन सप्ताह तक 300 लीटर के फ्रिज में रख रखा था.

इससे पहले यह खबर थी कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पहले से ही राज्य में एक धर्मांतरण विरोधी कानून के लिए आधार तैयार कर रही थी. जिसमें पार्टी के नेता 'लव जिहाद' मुद्दे के लिए सख्त कानून की मांग कर रहे थे. 'लव जिहाद' का मुद्दा पिछले कुछ सालों में लगातार सुर्खियां बटोर रहा है. श्रद्धा वालकर हत्याकांड के बाद यह राज्य में एक बार फिर से यह उभर आया है. हत्या की खबर के बाद देश भर में बड़े पैमाने पर आक्रोश फैल गया और एक बार फिर 'लव जिहाद' का मुद्दा बहस के केंद्र में आ गया.

खेत में मिले तेंदुए के 2 बच्चे, वन विभाग ने रेस्क्यू कर मां से मिलवाया...

मुंबई: महाराष्ट्र के नासिक जिले में वन विभाग ने तेंदुए के बच्चे को खोजकर निकाल लिया है और उसे उसकी मां से मिलवा दिया है. दरअसल, जंगल में घूमने के दौरान दोनों बच्चे अपनी मां से बिछड़ गए थे. बिछड़ने के चलते दोनों बच्चे एक खेत में पड़े थे. स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी तुरंत वन विभाग को दी. वन विभाग ने दोनों बच्चों को खेत से निकाला और एक सुरक्षित जगह पर ले गए. करीब 40 मिनट उनकी मां वहां आई और दोनों को साथ लेकर चली गई. यह पूरा वाकया वन विभाग की तरफ से लगाए गए कैमरे में कैद हो गया. इससे पहले भी नासिक के एक गांव पाथर्डी के खेत में तेंदुए के 3 बच्चे मिले थे, जिसकी सूचना स्थानीय लोगों ने वन विभाग को दी थी. वन विभाग के अधिकारियों ने इलाके को खाली कर उनका रेस्क्यू किया था और बाद में उन्हें उनकी मां से मिलवाया था.

महाराष्ट्र में समृद्धि महामार्ग पर युवक की हीरोपंती

स्कॉर्पियो रोककर शॉटगन से की हवाई फायरिंग

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के विकास को नई गति देने के उद्देश्य से बनाए गए समृद्धि महामार्ग पर एक हैरान कर देने वाली घटना हुई है। नागपुर में समृद्धि महामार्ग पर कथित तौर पर एक युवक ने अचानक अपनी स्कॉर्पियो रोकी और बीच सड़क हवा में फायरिंग कर दी। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

सोशल मीडिया पर लोग सवाल पूछ रहे है कि क्या युवक मनोरोगी है? या उसने महज स्टंटबाजी में यह हरकत की है? बताया जा रहा है कि पुलिस ने घटना पर संज्ञान लिया है और मामले की आगे की जांच जारी है। दरअसल समृद्धि महामार्ग परियोजना को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की महत्वाकांक्षी परियोजना के रूप में समझा जाता है, ऐसे में उद्घाटन के महज चंद दिनों बाद हुई इस घटना ने सभी को चौंका दिया है।

आरोपी युवक की तलाश शुरू

पुलिस अभी तक समृद्धि महामार्ग पर फायरिंग करने वाले युवक तक नहीं पहुंच सकी है और उसकी शिनाख्त का काम जारी है। इंटरनेट पर यह वीडियो करीब दो-तीन दिन पहले ही अपलोड किया गया है। पुलिस युवक को पकड़ने का प्रयास कर रही है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। लेकिन अधिकारिक तौर पर इसकी सत्यता की पुष्टि अभी तक नहीं हुई है।

सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस सुलझाने वाले 12 अफसरों की धमकी के बाद बढ़ाई सुरक्षा, 3 को दी गई कैटेगरी...

पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड को सुलझाने वाली दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के 12 अधिकारियों को जान से मारने की धमकी मिली है. इस धमकी के बाद अधिकारियों की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है. सूत्रों के मुताबिक, कनाडा में बैठे गैंगस्टर लखबीर सिंह लांडा की धमकी के बाद स्पेशल सेल के अधिकारियों को सुरक्षा दी गई है. इनमें स्पेशल सीपी एचजीएस धालीवाल, डीसीपी राजीव रंजन, मनीषी चंद्रा, एसीपी ललित मोहन नेगी, हृदय भूषण, वेद प्रकाश व राहुल विक्रम, इंस्पेक्टर विक्रम दहिया, विनोद कुमार, रविन्द्र जोशी, निशांत दहिया और सुनील कुमार राजैन शामिल हैं.

स्पेशल सीपी और दोनों डीसीपी को वाई श्रेणी की सुरक्षा दी गई है जबकि अन्य अधिकारियों के साथ 24 घंटे एक पीएसओ मौजूद रहेगा. दरअसल, पंजाब के गैंगस्टर हरविंदर रिंडा के सहयोगी लखबीर सिंह लांडा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अधिकारियों को धमकी दी. इसमें कहा गया कि, मैं एक बात बता देता हूं कि सभी की फोटो है हमारे पास है... अगर हमारी गलियां में दिख गए तो अच्छी बात है अगर नहीं दिखते तो तुम्हारी गलियों में ही घुस के मारेंगे... अब देखते हैं कौन बचाता है... इसमें ये भी धमकी दी गई कि अगर स्पेशल सेल का कोई भी अधिकारी पंजाब में घुसने ने की कोशिश ना करे. वहीं, इस धमकी के बाद माना जा रहा है कि ये स्पेशल सेल के अधिकारियों को अपना टारगेट बना सकते हैं जिसके चलते इनकी सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है.

महाराष्ट्र सरकार का निर्णय 'अघोषित आपातकाल' लगाने का प्रयास: अजित पवार

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार द्वारा पूर्व माओवादी विचारक कोबाड गांधी के संस्मरण के मराठी अनुवाद को दिया गया पुरस्कार वापस लेने के फैसले को लेकर विवाद के बीच विपक्ष के नेता अजित पवार ने बुधवार को कहा कि सत्तारूढ़ सरकार साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है। पवार ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार संस्मरण के अनुवाद के लिए एक चयन समिति द्वारा तय किए गए साहित्यिक पुरस्कार को रद्द करके ''अघोषित आपातकाल'' लगाने की कोशिश कर रही है। विधानसभा में विपक्ष के नेता पवार ने विवाद की पृष्ठभूमि में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार साहित्यिक पुरस्कारों के चयन में हस्तक्षेप कर रही है।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को इन मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। विवाद उस समय उत्पन्न हुआ जब सरकार ने कोबाड गांधी की ''फ्रैक्चर्ड फ्रीडमः ए प्रीजन मेमॉयर'' के अनुवाद के लिए अनघा लेले को यशवंतराव चव्हाण साहित्य पुरस्कार 2021 देने के निर्णय को पलट दिया। गांधी के कथित माओवादी संबंधों के कारण सोशल मीडिया पर इस फैसले की आलोचना हुई। सरकार द्वारा सोमवार को जारी एक बयान के अनुसार, चयन समिति के निर्णय

को ''प्रशासनिक कारणों'' से उलट दिया गया, और पुरस्कार (जिसमें एक लाख रुपये की नकद राशि शामिल थी) को वापस ले लिया गया है। पवार ने कहा, ''एकनाथ शिंदे सरकार साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है।

इस बीच, पुरस्कार चयन समिति के तीन सदस्यों ने ''लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के अपमान'' का हवाला देते हुए राज्य के साहित्य और संस्कृति बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। तीन लेखकों- प्रज्ञा दया पवार, नीरजा और हेरंब कुलकर्णी झ उस समिति के सदस्य भी थे जिसने गांधी के संस्मरण के मराठी अनुवाद को पुरस्कार के लिए चुना था, जिसे सरकार ने वापस ले लिया था। पवार ने सवाल किया कि क्या चयन समिति के सदस्यों का इस्तीफा सरकार के लिए 'शर्मनाक' नहीं है। पूर्व उपमुख्यमंत्री पवार ने कहा इस महीने की शुरूआत में, (गांधी द्वारा लिखित) पुस्तक के अनघा लेले द्वारा किये गए अनुवाद के लिए एक पुरस्कार की घोषणा की गई थी। लेकिन अचानक पुरस्कार वापस ले लिया गया और चयन समिति को भंग कर दिया गया। उन्होंने कहा राज्य साहित्य और संस्कृति बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा गठित समिति के काम में यह हस्तक्षेप गलत और निंदनीय है। राजनीतिक दलों को इन मामलों में हस्तक्षेप करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि लेले की तरह विभिन्न श्रेणियों में स्वर्गीय यशवंतराव चव्हाण साहित्य पुरस्कार 2021 के लिए चुने गए लेखक शरद बाविस्कर और आनंद करंदीकर ने विरोध स्वरूप अपने पुरस्कार लेने से इनकार कर दिया है। करंदीकर ने मंगलवार को कहा कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा लेले के मराठी अनुवाद के लिए दिए गए पुरस्कार को वापस लेने के विरोध में वह अपना पुरस्कार लौटा देंगे। उन्होंने कहा था कि पुरस्कार वापस लेने का सरकार का कदम ''विचारों की स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर पूर्ण पाबंदी'' है।

नवी मुंबई में प्लास्टिक विरोधी अभियान हुआ तेज

13 दुकानों पर कार्रवाई, इतना वसूला दंड

नवी मुंबई : प्लास्टिक से पर्यावरण और मानव जीवन को होने वाले खतरे को ध्यान में रखते हुए प्रतिबंधात्मक प्लास्टिक के उपयोग पर पूर्ण रूप से रोक लगाने के लिए नवी मुंबई महानगरपालिका ने कमर कसी है। जिसे सफल बनाने के लिए महानगरपालिका द्वारा नवी मुंबई में चलाए जा रहे प्लास्टिक विरोधी अभियान को तेज किया है। इस अभियान के तहत महानगरपालिका द्वारा 13 दुकानदारों पर कार्रवाई कर के प्रतिबंधित प्लास्टिक को जब्त किया गया और इन लोगों से 70 हजार रुपए का दंड वसूला गया। इस दौरान गंदगी फैलाने वाले 8 दुकानदारों पर कार्रवाई कर के 2,250 रुपए का दंड वसूल किया गया।

गौरतलब है कि नवी मुंबई महानगरपालिका कमिश्नर राजेश नार्वेकर के आदेश पर महानगरपालिका के सभी विभाग अधिकारियों द्वारा उक्त अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत ऐरोली में सेक्टर-3 और सेक्टर- 20 के 7 खाद्य दुकानदारों पर कार्रवाई करके प्रतिबंधित प्लास्टिक को जब्त किया गया और उनसे 40 हजार रुपए का वसूल किया गया। इसके अलावा सेक्टर-3 और सेक्टर-20 में दुकान के आसपास गंदगी करने वाले 2 खाद्य विक्रेताओं से पर 500 रुपए का जुमार्ना वसूल किया गया।

घनसोली में 10 किलो प्लास्टिक जब्त

ऐरोली की तरह कोपरखैरने में सेक्टर-3 और सेक्टर-20 के चार दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई कर 20 हजार जुमार्ना वसूल किया गया, जबकि यहां पर गंदगी फैलाने वाले तीन दुकानदारों से 750 रुपए का दंड वसूला गया। वहीं नेरूल विभाग के सेक्टर-4 के एक व्यवसायी पर 5,000 रुपए का जुमार्ना लगाया गया, जबकि यहां के सेक्टर-3 में गंदगी फैलाने के मामले में चार दुकानदारों से 1,000 रुपए का दंड वसूला गया। इसी तरह घनसोली में भी एक व्यवसायी से 10 किलोग्राम प्लास्टिक की थैलियों को जब्त किया गया। इस व्यवसायी से 5,000 रुपए का जुमार्ना भी वसूल किया गया है।

कुर्सी का मोह नहीं छोड़ पा रहे कई पदाधिकारी, पार्टी ने जारी की इनकी सूची

कांग्रेस पार्टी में कुर्सी की खींचतान नई बात नहीं है। बीते दिनों देहरादून महानगर कांग्रेस अध्यक्ष की विदाई और कार्यकारी अध्यक्ष को कमान सौंपने के बाद यह विवाद और गहरा गया है। पार्टी के भीतर वर्षों से पदों पर जमे कई पदाधिकारियों को लेकर सवाल उठ रहे हैं तो नए कार्यकारी अध्यक्ष भी कुर्सी की बाट जोह रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से बीते माह 19 नवंबर को 17 कार्यकारी जिलाध्यक्षों और महानगर अध्यक्षों की सूची जारी

की गई थी। इनमें से कुछ स्थानों पर जिलाध्यक्षओं और महानगर अध्यक्षों ने स्वयं से इस्तीफा देकर कमान नए कार्यकारी अध्यक्षों को सौंप दी है, जबकि कुछ अभी भी पार्टी की ओर से पत्र मिलने का इंतजार कर रहे हैं। पार्टी सूत्रों की मानें तो एक बार कार्यकारी अध्यक्ष के नाम की घोषणा होने के बाद पुराने अध्यक्ष स्वतः पद छोड़ देते हैं। फिलहाल खेमों में बंटी कांग्रेस में ऐसा नहीं हो रहा है।

नाम नहीं छापने की शर्त पर कुछ पुराने अध्यक्षों ने बताया कि वह निर्वाचित होकर अध्यक्ष बने हैं। एआईसीसी के चुनाव प्राधिकरण की ओर से उन्हें बकायदा नियुक्ति पत्र जारी किया गया है। उन्हें ऐसे ही नहीं हटाया जा सकता है। दूसरी ओर यदि उदयपुर में हुए चिंतन शिविर में लिए गए निर्णयों के अनुसार पुराने पदाधिकारियों को हटाने की कार्रवाई की जा रही है तो यह नियम सभी पर लागू होता है। उनका कहना है कि अभी जो लिस्ट आई है, उसे जारी करने से पहले पार्टी चुनाव प्राधिकरण की संस्तुति भी नहीं ली गई है।

इन्हें सौंपी गई है कार्यकारी जिला अध्यक्ष की कमान

अल्मोड़ा में भूपेंद्र मोज, बागेश्वर में भगत सिंह डसीला, चमोली में मुकेश नेगी, पछवादून में लक्ष्मी अग्रवाल, महानगर देहरादून डॉ. जसविंदर सिंह गोगी, महानगर हरिद्वार में सतपाल ब्रह्मचारी, हरिद्वार ग्रामीण में राजीव चौधरी ,रुड़की ग्रामीण में वीरेंद्र जाति, नैनीताल में राहुल छिमवाल, पिथौरागढ़ में अंजू लूंठी, डीडीहाट में मनोहर टोलिया, रुद्रप्रयाग में कुंवर सिंह सजवाण, महानगर काशीपुर में मुशर्रफ हुसैन, रुद्रपुर में सीपी जोशी, ऊधमसिंह नगर में हिमांशु गावा, उत्तरकाशी में मनीष राणा और पुरोला में दिनेश चौहान का नाम शामिल है। इनमें से कुछ जगहों पर नए अध्यक्षों ने पद संभाल लिया है, जबकि कुछ जगहों पर पुराने अब भी अड़े हैं।

महाराष्ट्र में बड़े फेरबदल के तहत 30 आईपीएस अफसरों का तबादला, प्रोन्नति

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र सरकार ने बड़ा फेरबदल करते हुए मंगलवार को पुणे, अमरावती और नवी मुंबई के पुलिस आयुक्तों समेत भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 30 अधिकारियों को या तो पदोन्नत कर दिया या उनका तबादला कर दिया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी। पुणे के पुलिस आयुक्त अमिताभ गुप्ता को महाराष्ट्र के अतिरिक्त महानिरीक्षक (कानून व्यवस्था) के रूप में पदोन्नत किया गया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि उनकी जगह रितेश कुमार पुणे पुलिस आयुक्त का पदभार संभालेंगे। अमरावती की पुलिस

आयुक्त आरती सिंह को अतिरिक्त आयुक्त शस्त्र (मुंबई पुलिस) के रूप में स्थानांतरित किया गया है। उनकी जगह आईपीएस अधिकारी नवीन चंद्र रेड्डी ने ली है। बड़े फेरबदल के तहत, मिलिंद भारंबे नवी मुंबई पुलिस बल के नए आयुक्त होंगे, जिसकी अध्यक्षता बिपिन कुमार सिंह कर रहे थे। मीरा-भायंदर-वसई-विरार (एमबीवीवी) आयुक्तालय के आयुक्त का प्रभार संभाल रहे सदानंद दाते को विशेष आईजी, आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) में पदोन्नत किया गया है। उनकी जगह मधुकर पांडे लेंगे जो एमबीवीवी के नए पुलिस आयुक्त होंगे।

पनवेल के सुकापुर में ताश के पत्ते की तरह गिरे इमारत के स्लैब...

12 साल के बच्चे की मौत

नवी मुंबई : पनवेल तहसील के तहत आने वाले सुकापुर में रविवार की देर रात में एक इमारत के स्लैब ताश के पत्ते की तरह गिर गए। इस हादसे में एक 12 साल के बच्चे की मौत हुई। वहीं 2 अन्य लोग घायल हुए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं। इन दोनों की हालत स्थिर बताई गई है। पनवेल महानगरपालिका के अग्निशमन विभाग ने इमारत के मलबा को हटाने का काम किया।

मिली जानकारी के अनुसार, उक्त हादसा सुकापुर के नवजीवन सोसायटी में हुआ। रविवार की देर रात में इस 2 मंजिला इमारत की दूसरी मंजिल और पहली मंजिल के घर के स्लैब तल मंजिल पर गिरे। जिसके मलबे में तीन लोग दब गए थे। इस हादसे में 12 साल के शुभम सुरेश राजभर नामक बच्चे की मौत हुई। शुभम अपने परिजनों के साथ तल मंजिल पर रहता था। घटना के समय राजभर परिवार गहरी नींद में सो रहा था। सुकापुर का इलाका ग्राम पंचायत के तहत आता है। यहां पर बनी 50 से अधिक इमारतें जर्जर हो चुकी हैं। जिन्हें खाली करने के लिए ग्राम पंचायत ने नोटिस दिया था। नवजीवन सोसायटी में रहने वालों को भी पहले ही नोटिस भेज दिया गया था। जिसकी अनदेखी कर के तीन परिवार इस इमारत में अपनी जान हथेली पर रखकर रह रहे थे। उक्त हादसे में शुभम की मौत से उसके परिवार में कोहराम मच गया है। मामला दर्ज कर के पुलिस आगे की जांच की जा रही है। इस घटना ने अन्य जर्जर खतरनाक इमारतों का मुद्दा खड़ा कर दिया है।

शख्स ढूंढ रहा था मसाज सर्विस

साइट पर दिखी पत्नी और बहन की तस्वीर, हुआ हैरान...

महाराष्ट्रः मुंबई में खार का रहने वाला एक शख्स मालिश करने वाले की तलाश के लिए एक एस्कॉर्ट वेबसाइट का उपयोग कर रहा था, लेकिन वहां वह अपनी पत्नी और बहन की तस्वीरें देखकर हैरान रह गया. खार के 31 वर्षीय व्यक्ति ने फिर पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद मामले से जुड़ी एक महिला को गिरफ्तार किया गया और उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया, जहां उससे पूछताछ जारी है.

जानकारी के अनुसार, शख्स द्वारा एस्कॉर्ट वेबसाइट पर तस्वीरें देखने के बाद, उसने अपनी पत्नी और बहन से बात की. दोनों ने बताया कि उनकी तस्वीर चार साल पुरानी है और इसे उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया हुआ था. इसके बाद उस शख्स ने बुकिंग के लिए वेबसाइट पर दिए गए एक नंबर पर संपर्क किया, जिसका जवाब एक महिला ने दिया. शख्स ने महिला को खार पश्चिम के एक होटल में मिलने के लिए कहा और वह महिला मान गई. महिला उनसे मिली और घटना के बारे में पूछे जाने पर वह मारपीट पर उतर आई और भागने की कोशिश करने लगी. हालांकि, युवक ने किसी तरह आरोपी महिला को पकड़ लिया, जिसे बाद में थाने ले जाया गया. जांच के बाद पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया जिसकी पहचान रेशमा यादव के रूप में हुई है. पुलिस को शक है कि महिला उस गिरोह का हिस्सा है जो सोशल मीडिया से ऐसी एस्कॉर्ट और मसाज वेबसाइट पर खूबसूरत महिलाओं की तस्वीरें अपलोड करते हैं.

पुलिस ने रेशमा यादव के खिलाफ मामला दर्ज किया, उसे एक अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. पुलिस रेशमा यादव से जुड़े सभी लोगों की तलाश कर रही है. साथ ही पुलिस ने लोगों से सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें अपलोड करते समय सावधानी बरतने की भी अपील की है. उन्होंने बताया, ''अपने प्रोफाइल को लॉक रखना चाहिए ताकि कोई इसका गलत इस्तेमाल न कर सके.''

खुदखुशी करने के लिए शख्स ने नाले में लगाई मौत की छलांग, पुलिसकर्मियों ने बचाई जान...!

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में तीन पुलिसकर्मियों ने 31 साल के एक शख्स की जान बचाई। शख्स आत्महत्या करने के लिए एक नाले में कूद गया था। पुलिस ने बुधवार को ये जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि बीट कलवा में बीट मार्शलों को मंगलवार दोपहर एक संदेश मिला कि एक व्यक्ति खारेगांव नाले में कूद गया है।

घरेलू कलह थी वजह

अधिकारी ने बताया कि, ''वो दो नावों से उसकी मदद के लिए पहुंचे और उसे पानी से बाहर निकाला।'' शख्स ने पुलिस को बताया कि उसने घरेलू कलह की वजह से खुदकुशी करने का फैसला लिया था। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने उसकी काउंसलिंग की और उसे भिवंडी में उनके साथ रहने वालों को सौंप दिया।

मीरा-भायंदर में औद्योगिक इकाइयों को भगाने का 'प्लान'!

कई इंडस्ट्रियल क्षेत्र को डीपी में रेसिडेंशियल जोन दशार्या...

भायंदर : मीरा-भायंदर महानगरपालिका की नयी डेवलपमेंट प्लान को बीजेपी शुरू से ही विनाशकारी बताती आ रहीं है। अब औद्योगिक इकाइयों को भगाने का प्लान डीपी में तैयार होने का आरोप कारखाना मालिकों ने लगाया है। उनका आरोप है कि कंपनियों की जमीन निजी बिल्डरों को प्रशासन देना चाहता है। इसलिए कई इंडस्ट्रियल क्षेत्र को रेजिडेंशियल (आर) जोन और सड़क प्रस्तावित डीपी में दशार्या गया है। अब तक 3,100 आपत्तियां डीपी के खिलाफ दर्ज कराई जाती हैं।

मीरा-भायंदर स्माल स्केल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहमद उमर कपूर पप्पू ने बताया कि सर्वे क्रमांक 266, 467, 468 पर 50 साल पहले बसा महेश इंडस्ट्रियल

इस्टेट के भाग (हिस्सा) को आर जोन नई डीपी में दिखा दिया गया है। कपूर की मानें तो इंडस्ट्रियल के ठीक बगल में बिल्डिंग का निर्माण चल रहा है। कंपनियों की जमीन भी बिल्डर को देने की साजिश रची गई हैं।

डीपी पर आपत्ति दर्ज करायीः राजेंद्र मित्तल

श्री भायंदर स्टेनलेस स्टील मैन्युफैक्चरिंग एंड ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट राजेंद्र मित्तल ने बताया कि उन्होंने इस पर आपत्ति दर्ज करायी है। मित्तल ने कहा कि भायंदर पूर्व में 300-400 वर्ग फिट की तकरीबन 3,000-4,000 कंपनियां हैं और उनमें डेढ़ लाख से अधिक मजदूर काम करते हैं। मीरा-भायंदर महानगरपालिका की नयी डीपी से कम्पनियों को भागना पड़ेगा और सारे मजदूर बेरोजगार हो जाएंगे।

एसोसिएशन के कार्याध्यक्ष और पूर्व नगरसेवक हंसु कुमार पांडे ने कहा कि मीरा-भायंदर में एक दर्जन से अधिक इंडस्ट्रियल क्षेत्र हैं। डीपी में सुधार कर (आई) जोन करने की मांग उन्होंने मीरा-भायंदर महानगरपालिका कमिश्नर से की है। पांडे ने कहा कि स्टील बर्तन सहित कई उद्योग इस शहर में तब से हैं, जब यहां सिर्फ गांव हुआ करते थे। स्टील उद्योग सबसे ज्यादा राजस्व और नौकरियां देता था।

बीवी का गुस्सा शरद पवार पर उतारा...

जानिए क्या कह रहा जान से मारने की धमकी देने वाला?

मुंबई : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार को जान से मारने की धमकी दी गई थी. दिवाली के दौरान भी इसी तरह शरद पवार को जान से मारने की धमकी देने वाले 100 से ज्यादा फोन कॉल्स आए थे. इस बार आई धमकी के मामले में मुंबई के गांवदेवी पुलिस स्टेशन ने केस दर्ज किया और बिहार जाकर आरोपी नारायण सोनी को हिरासत में लिया. नारायण सोनी को आज (14 दिसंबर) कोर्ट में हाजिर किया जा रहा है. आरोपी पर पुलिस ने आईपीसी की धारा 294, 506 (2) के तहत केस दर्ज किया है. पुलिस द्वारा दी गई जानकारियों के मुताबिक नारायण स्वामी मानसिक रूप से बीमार शख्स है. वह दस साल पुणे में रह कर गया है. पुणे में उसके साथ उसकी पत्नी भी साथ

रहा करती थी. लेकिन पत्नी ने नारायण सोनी को छोड़ कर दूसरे शख्स से शादी कर ली. शरद पवार ने पति-पत्नी के इस विवाद को मिटाने के लिए कोशिश नहीं की. नारायण सोनी को इसी बात की नाराजगी थी. इसी वजह से उसने शरद पवार को फोन कर जान से मारने की धमकी दी.

पवार को जान से मारने वाला बिहार से किया गया गिरफ्तार

बता दें कि शरद पवार के मुंबई स्थित सिल्वर ओक के निवास स्थान पर फोन पर जान से मारने की धमकी दी गई है. इस वजह से पुलिस ने उनकी सुरक्षा बढ़ा दी है. 2 दिसंबर को पवार के सचिव सतीश राउत ने पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर यह शिकायत की कि नारायण सोनी नाम का शख्स बार-बार फोन कर परेशान कर रहा है. इसके बाद गांवदेवी पुलिस स्टेशन की पुलिस हरकत में आई और फोन नंबर ट्रेस किया. फोन ट्रेस करने पर पता चला कि संबंधित व्यक्ति बिहार में है. इसके बाद पुलिस ने बिहार जाकर आरोपी नारायण सोनी को पकड़ा. आज उसकी कोर्ट में पेशी है. आरोपी नारायण सोनी पिछले चार-पांच महीने से शरद पवार को जान से मारने की धमकी देता आ रहा था. इस बार शरद पवार के जन्मदिन के ठीक दूसरे दिन भी धमकी आई.

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com